आज का पुरुषार्थ 3 Nov 2022

Source: BK Suraj bhai **Website**: www.shivbabas.org

धारणा – *"फिर से आज दोबारा बाबा हम बच्चों से मिलने आ रहे .. हमें अपनी विशेष ज्ञान से सुसज्जित करने .. आज स्वयं को प्राप्तियों से भरपूर अनुभव करेंगे "*

' शुक्रिया बाबा .. आपको बारम्बार शुक्रिया '

प्रभु मिलन का सुखद दिन तो उसी समय से प्रारंभ हो गये जब से हमने **बाबा का हाथ पकड़ा।** जो बहुत अच्छे **योगयुक्त** है, रोज़ उनका बाबा से मिलन अवश्य होता है।

जो इस संसार से detach होते जाते है, जो ईश्वरीय नशें में रहते है, जो **स्वमान में स्थित** हो जाते है .. उनका शिवबाबा के साथ समीपता का **अनुभव** भी होता है और बहुत सुन्दर **मिलन** भी होता है।

लेकिन आज विशेष **मिलन दिवस** है। हम सभी को ख्याल रहे, विश्वास रहे, क्योंकि बाबा के अनेक बच्चे उसे बहुत **प्यार से याद करते है**, बुलाते है।

तो आज बाबा की **दृष्टि** हर एक बच्चे पर रहती है। वे अपनी शक्तिशाली किरणें सबके ऊपर डालते रहते है। फ़ील करेंगे ..

.. " आज तो जैसे हम बाबा की किरणों के नीचे मगन है, बरसात हो रही है हमारे ऊपर, **शक्तियों** की किरणों की, पवित्रता के किरणों की "

तो आज का दिन विशेष **वरदानी** दिवस है। सभी अपने को **अन्तर्मुखी** रखें। अपनी चेकिंग करे, बाबा से बातें करते रहे, उन्हें शुक्रिया करते रहे ।

हम आपको कब से ढूंढ रहे थे? सत्य ज्ञान की हमें **युगों** से तलाश थी! आपने ही आकर हमारे मन के अंधकार मिटाया! हमारी राहें सफल कर दी! जीवन सुन्दर बना दिया! खुशियों से भर दिया! **सहज** कर दिया! ईश्वरीय आनन्द से सम्पन्न कर दिया! आपको कोटी कोटी बार शुक्रिया ... "

याद करेंगे, बहुत कुछ उनसे मिला है। आज का दिन उन्हें शुक्रिया देने में व्यतीत करें →

" हम तो जिन्दगी के राहों पर अकेले थे .. आप हमारे जीवन साथी बन गये .. खुदा दोस्त बन गये .. आपको बारम्बार शुक्रिया "

" .. आप हमारी जीवन नैया के खिवैया बन गये .. आपने हमारे सारे मन के बोझ हरकर हमें डबल लाइट बना दिया .. "

" आप **सर्वशक्तिमान** .. सदा कहते हो .. अपने बोझ सारे मुझे दे दो .. "

सचमुच बाबा बोझ उठाते है, हल्के कर देते है .. ऐसे बाबा को कोटी-कोटी बार शुक्रिया।

तो ऐसे जब हम शुक्रिया करते रहेंगे तो सारा दिन हमारा मन खुशियों में बितेगा। बाबा से जैसे हम जुड़े रहेंगे। उनकी दुआयें, उनकी **प्रसन्नता** भरी प्यार भरी दृष्टि हमें मिलती रहेंगी।

तो आज का दिन बहुत शुभ है, बहुत प्राप्तियाँ करने का है। वरदानी दिवस है। **सूक्ष्म वतन** में जाकर, एकबार सवेरे और एकबार शाम को ..

" बाबा से दृष्टि लेंगे .. उनके वरदानी हाथ अपने सिर पर अनुभव करेंगे .. बाबा ने मस्तक में तिलक लगाकर वरदान दे रहे है .. "

तो कोई एक वरदान लेंगे। ऐसा अनुभव करेंगे। इससे बहुत अच्छे फीलिंग रहेगी। और याद रखेंगे ..

" आज तो बाबा मेरे साथ है .. कभी सिर के ऊपर छत्रछाया बन गये .. कभी ज्ञान सूर्य बनकर मेरे सम्मुख आ गये .. सामने चमक रहे है "

बहुत सुन्दर योग की अनुभूति होगी →

" मैं मास्टर ज्ञान सूर्य .. ज्ञान सूर्य शिवबाबा मेरे आखों के सामने .. उनकी किरणें फैल रही है .. मुझ पर भी पड़ रही है .. जैसे किरणों से नहा रहे है "

इससे बहुत अच्छी **एकाग्रता** आयेगी। तो सारा दिन खुशियों में आज का बीतें, **ईश्वरीय नशें में** बीते। बस यही संकल्प, यही शुभ भावना करना है।

तो आज के प्रभु मिलन के दिवस की सभी को बहुत बहुत वधाई हो। आप ईश्वरीय प्रेम में मगन होकर आज के दिन की **सुख** प्राप्त करें ...

।। ओम शान्ति ।।

BK Google: www.bkgoogle.org

Website: www.shivbabas.org